महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का ज्ञानयुग दिवस - वार्षिक समारोह में भाषण

स्थान :- महर्षि विद्या मंदिर रतनपुर, भोपाल, दिनांक :-12 जनवरी, 2012 समय:- अपरान्ह 2 बजे

महर्षि महेश योगी जी के जन्म दिन 12 जनवरी के अवसर पर आयोजित किये जाने वाले ज्ञान युग दिवस के इस कार्यक्रम में शामिल होते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है।

महर्षि जी के व्यक्तित्व और कृतित्व से सभी लोग अवगत हैं। वे एक आध्यात्मिक और वैज्ञानिक संत के रूप में जाने जाते हैं। वैदिक संस्कृति की पुनस्थापना के लिए उन्होंने बहुआयामी प्रयास किये। महर्षि महेश योगी ने शोध कार्यों से वेद एवं विज्ञान के बीच अद्भुत समन्वय स्पष्ट किया है। उन्होंने मानव शारीरिकी में समस्त वेद एवं वैदिक वांगमय का समाहित होना सिद्ध किया है। शिक्षा जैसे उनके जीवन का मिशन बन गई थी। उन्होंने पूरी दुनिया में वेद विज्ञान विद्या पीठम, वैदिक विश्वविद्यालय और प्रबंध संस्थानों की स्थापना की। मध्यप्रदेश में महर्षि वेदिक विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ में महर्षि तकनीकी एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय स्थापित किया। देश के विभिन्न अचंलों में महर्षि विद्या मंदिर समूह स्थापित किये गये हैं।

भूतल पर स्वर्ग की परिकल्पना को साकार करने के लिए और वैश्विक सामूहिक चेतना के उन्नयन हेतु अनेक परियोजनाओं का संचालन हो रहा है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि महर्षि विद्या मंदिर समूह के तहत संचालित 140 विद्यालयों की श्रृंखला में रतनपुर एक अग्रणी विद्यालय है। इस विद्यालय ने स्थानीय,प्रान्तीय और राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों में भी विद्यालय की अपनी विशिष्ट पहचान बन चुकी है।

यह हर्ष का विषय है कि यह विद्यालय महर्षि महेश योगी की विचारधारा और दृष्टिकोण के आधार पर संचालित है। महर्षि कहते थे अंधेरे से लड़ने से शक्ति गंवाने के बजाय यह शक्ति प्रकाश को लाने में खर्च की जाये।

बच्चो! शिक्षा से ही परिवर्तन होता है और शिक्षा से ही नवसृजन होता है। शिक्षा से उस नीव का निर्माण होता है जिस पर भविष्य और उम्मीदों की मजबूत इमारत खड़ी की जा सकती है।

शिक्षा का अर्थ केवल अलग अलग विषयों की किताबें पढ़ना ही नहीं है। शिक्षा का अर्थ जीवन और समाज के मूल्यों से संस्कारित होना है। ये मूल्य और संस्कार जीवन पथ पर आपको भटकने से बचायेंगे। छात्र जीवन वह जीवन होता है जब आप अपने को एक नये सांचे में ढाल रहे होते हो और जैसा आप बन पाते हो वैसा ही आपका घर,समाज और देश बनता है। इसलिए पढाई के दिनों में पूरी तरह सचेत और सजग रहो क्योंकि इस देश का भविष्य पूरी तरह तुम्हारे ऊपर निर्भर है। मेरा विश्वास है कि शिक्षा के प्रकाश से न केवल आप अपना बल्कि अपने आस पास और समूचे देश को प्रकाशवान बनायेंगे।

आपके सुखद भविष्य के लिए मेरी तरफ से ढेरों शुभकामनाएं और आशीर्वाद।

जय हिन्द।